सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 344 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 25 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जिंदगी बढ़िया हो सकती है अगर लोग आपको अकेला छोड़ दें।
-चार्ली चैपलिन

खिताब से एक कदम दूर हैं रोहन... 7 | चुनाव करीब आते ही ढीली पड़ने... 3 | पीडीए की एकजुटता के आगे झुकी... 2

कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खींची तलवार

जयराम बोले- विपक्ष से मिलने से किया इंकार

» निर्वाचन आयोग ने आरोपों को नकारा

» विपक्षी दल मतदाताओं द्वारा वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर चर्चा करना चाहते हैं

» लोकतंत्र पर आघात कर रहा आयोग : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आयोग की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई है। दरअसल, कांग्रेस ने दावा किया है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के प्रतिनिधि मंडल से मिलने से निर्वाचन आयोग ने इंकार कर दिया है। कांग्रेस ने इसे अन्याय बताते हुए कहा है कि यह लोकतंत्र की बुनियाद पर आघात करने वाला है। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। लोकसभा चुनाव निकट हैं इसलिए हर राजनीतिक दल मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से लुभाने की कोशिश में भी लग गया है। हालांकि चुनाव आयोग ने इस पर जवाब भी दे दिया है। उसने कहा है कि लोकसभा चुनाव निकट देखकर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल तमाम तरह के वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं और यह दावा करके कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है, मतदाताओं को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा है कि विपक्षी दल निर्वाचन आयोग के समक्ष वीवीपैट के विषय पर अपनी बात रखना चाहते हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन दुख की बात है कि यह स्वतंत्र संस्था इंडिया गठबंधन की पार्टियों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इंकार कर रही है। उन्होंने कहा है कि विपक्षी दल केवल मतदाताओं द्वारा वोट डालने पर वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर अपनी बात रखना चाहते हैं। जयराम रमेश ने कहा है कि पिछले साल 30 दिसंबर को निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि 'इंडिया' के एक प्रतिनिधिमंडल को वीवीपैट पर्चियों पर अपने विचार रखने के लिए मिलने का समय दिया जाए। पत्र के जवाब में निर्वाचन आयोग ने वीवीपैट पर रमेश की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा था कि इसके माध्यम से ''ऐसा कोई नया दावा या उचित एवं वैध संदेह नहीं उठाया गया है जिसके लिए और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।'' आयोग ने जवाबी पत्र में यह भी कहा था कि मतदाता पर्चियों संबंधी नियम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ही 2013 में पेश किए गए थे। इसके बाद रमेश ने आयोग को फिर से 8 जनवरी को पत्र लिखकर मिलने के लिए समय मांगा था। गौरतलब हो कि इससे पहले भी विपक्ष आयोग के काम से नाखुशी जता चुका है।

नेताओं की साख पर असर नहीं पड़े, इसका रखा ध्यान : आयोग

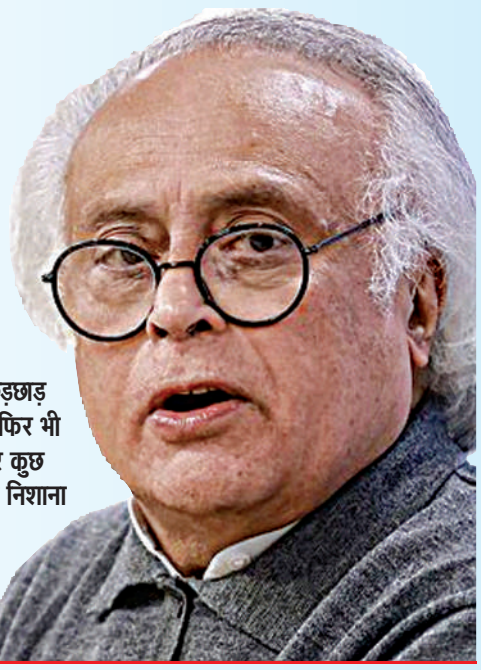

देखा जाये तो ईवीएम के जरिये ही सत्ता पाते रहे विपक्षी दलों को यह बात भलीभांति पता है कि भारतीय निर्वाचन आयोग की पूरी दुनिया में बड़ी साख है और दुनिया में कहीं भी चुनाव हो तो संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारतीय निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जरूर भेजा जाता है। लेकिन फिर भी अपनी कमियों को ढंकने के लिए निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाये जाते हैं। यहां यह बात भी गौर करने लायक है कि ईवीएम

पर सवाल उठाने वालों के लिए चुनाव आयोग की ओर से समय-समय पर ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप साबित करने की खुली चुनौती भी दी जाती है लेकिन कोई भी आज तक यह बात साबित नहीं कर पाया कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। लेकिन फिर भी अपनी हार सामने देख कर कुछ दल शुरू से ही ईवीएम पर निशाना साधने लग जाते हैं ताकि चुनाव परिणाम के बाद उनके नेताओं की साख पर असर नहीं पड़े।

देश में सिर्फ नफरत बांट रही बीजेपी व आरएसएस : राहुल

» पश्चिम बंगाल में कांग्रेस सांसद ने फिर भरी हुंकार

» भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम से कूच बिहार पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा असम से निकल कर पश्चिम बंगाल पहुंच गई है। वहां पर पर उन्होंने एकबार फिर बीजपी व आरएसएस पर हमला बोला है। कांग्रेस सांसद ने कहा ये दोनों देश में नफरत फैला रहे हैं। गौरतलब हो कि असम में राहुल गांधी की यात्रा का गुरुवार को आखिरी दिन है। यहां से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पश्चिम बंगाल में प्रवेश की। पश्चिम बंगाल में यात्रा कूच बिहार से प्रवेश की। कूच बिहार में ही आज राहुल गांधी एक जनसभा को संबोधित भी किया। इस जनसभा में राहुल गांधी पश्चिम बंगाल में उनकी यात्रा की क्या रणनीति होगी और वो इस दौरान क्या मुद्दे उठाएंगे, इसके बारे में विस्तार से बताया।

राहुल ने चाय पी, दुकानदारों का जाना हाल

राहुल गांधी ने गुरुवार की सुबह असम के गोलकगंज से यात्रा की शुरुआत की और थोड़ी दूर चलने के बाद अचानक धुबरी जिले के हलकुरा गांव में रुक गए, यहां राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अचानक सड़क किनारे एक चाय की टपरी पर पहुंचे और चाय पीने लगे। इस पूरे वाकये के बारे में चाय की दुकान के मालिक ने विस्तार से बताया। दुकानदार ने कहा कि राहुल गांधी अचानक से उनकी दुकान पर पहुंचे और ये उनके लिए पूरी तरह से एक सरप्राइज था. उन्होंने बताया कि उन्हें राहुल गांधी के उनकी दुकान पर आने की पहले से कोई जानकारी नहीं थी. दुकानदार ने बताया कि राहुल गांधी ने यहां पर चाय पी, नमकीन खाया और यहां का मशहूर दही भी चखा। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी कम चीनी की चाय पीते हैं तो हमने उन्हें चाय पिलाई और यहां का मशहूर दही भी दिया।

नीतीश के यात्रा में शामिल होने पर असमंजस

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर असमंजस है । सूत्रों ने बताया कि जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार 30 जनवरी को राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल पर अभी कुछ स्पष्ट नहीं किया। सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार और कांग्रेस में सबकुछ ठीक है और किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। यहां यात्रा पूरी करने के बाद राहुल गांधी बिहार पहुंचेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू हुई है और यह मुंबई तक जाएगी पिछले ही दिनों नीतीश कुमार के राजनितिक सलाहकार और जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा था कि इंडिया गठबंधन के बैनर से यह यात्रा होती तो ज्यादा बेहतर होता। निमंत्रण मिला है लेकिन नीतीश कुमार तय करेंगे क्या करना है। बिहार में जेडीयू, लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन की सरकार है।

पीडीए की एकजुटता के आगे झुकी सरकार : अखिलेश

बोले- कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देना 'सामाजिक न्याय' के आंदोलन की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देने के निर्णय को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'सामाजिक न्याय' के आंदोलन की जीत बताया है। अखिलेश ने कहा कि यह दिखाता है कि सामाजिक न्याय व आरक्षण के परंपरागत विरोधियों को भी मन मारकर अब पीडीए के 90 फीसदी लोगों की एकजुटता के आगे झुकना पड़ रहा है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को मरणोपरांत घोषित भारत रत्न दरअसल 'सामाजिक न्याय' के आंदोलन की जीत है, जो दर्शाती है कि सामाजिक न्याय व आरक्षण के परंपरागत विरोधियों को भी मन मारकर अब पीडीए के 90 प्रतिशत लोगों की एकजुटता के आगे झुकना पड़ रहा है। पीडीए की एकता फलीभूत हो रही है। बता दें कर्पूरी ठाकुर का जन्म समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गांव में नाई समाज में 24 जनवरी 1924 को हुआ था। उन्हें जननायक कहकर संबोधित किया जाता है।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का किया समर्थन

कांशीराम को भी मिले भारत रत्न : मायावती

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारत रत्न की घोषणा के फैसले का स्वागत करते हुए बीएसपी प्रमुख मायावती ने सरकार से मांग की है कि बीएसपी संस्थापक कांशीराम को भी उनके योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। बहुजन समाज पार्टी की चीफ मायावती ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे देश के ऐसे महान व्यक्तित्व कर्पूरी ठाकुर को देर से ही सही अब भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के केन्द्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए कर्पूरी ठाकुर के परिवार व सभी अनुयाइयों बधाई और शुभकामनाएं दी। कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कांशी राम के लिए भी सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की तरह ही दलितों एवं अन्य उपेक्षितों को आत्म-सम्मान के साथ जीने व उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बीएसपी के जन्मदाता एवं संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी का योगदान ऐतिहासिक व अविस्मरणीय है, जिन्हें करोड़ों लोगों की चाहत अनुसार भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करना जरूरी है।

अपने को भगवान समझने लगे हैं कुछ लोग : मौर्य

बोले- सबका कल्याण करने वाले भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की आखिर क्या जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या के बोल एक बार फिर बिगड़ गए। उन्होंने कहा कि जो खुद भगवान है और सबका कल्याण करता है। तब इंसान की क्या हैसियत कि उसकी प्राण प्रतिष्ठा कर सके। ये लोग अपने को भगवान से भी बड़ा साबित करने में लगे हैं स्वामी प्रसाद ने कहा कि भगवान राम तो हजारों साल से पूजे जा रहे हैं। जिसकी पूजा इतने सालों से करोड़ों लोग कर रहे हैं तो उनके अंदर प्राण प्रतिष्ठा की क्या जरूरत है। आज सत्ता में बैठे लोग अपने पाप छुपाने के लिए इस तरह के ड्रामे का सहारा ले रहे हैं।

आगे कहा कि ये लोग प्राण प्रतिष्ठा कर अपने को भगवान से बड़ा साबित करने में लगे हैं। लेकिन लोगों को समझना होगा कि बेरोजगारी को लेकर किसी तरह की कोई चर्चा न हो इसलिए इस तरह का ड्रामा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये कार्यक्रम महज भाजपा का बनकर रह गया क्योंकि पूरे कार्यक्रम को विहिप, भाजपा और आरएसएस के लोग ही कर रहे थे। वाकई में अगर धार्मिक अनुष्ठान होता तो चारों शंकराचार्य शामिल होते। स्वामी ने कहा कि देश की राष्ट्रपति आमंत्रित होने के बाद भी यहां नहीं आ सकीं क्योंकि वह पूर्व में हुए अपमान का घूंट भूल नहीं सकी हैं।

लोकतंत्र के लिए हमें मुद्दों को सुलझाना होगा : धनखड़

बोले- चर्चा और संवाद को व्यवधानों की जगह लेनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र के तीन प्रमुख अंगों कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के बीच मुद्दे उठते रहेंगे लेकिन उन्हें व्यवस्थित तरीके से सुलझाना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधायिका के साथ कुछ होमवर्क करने की आवश्यकता है क्योंकि चर्चा और संवाद को व्यवधानों की जगह लेनी चाहिए। आपातकाल लगाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे भारत के संवैधानिक इतिहास का सबसे काला एवं शर्मनाक काल बताया।

उन्होंने कहा कि हमारी शासन व्यवस्था में कभी भी ऐसे लोग नहीं थे जो इस स्तर तक चले जाएं कि लाखों लोगों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित कर और उन्हें जेल में डाला जाए। धनखड़ ने कहा कि यही वह समय था जब हमें उम्मीद थी कि राज्य का एक अन्य अंग न्यायपालिका ऐसे अवसर पर आगे आएगी। लेकिन दुर्भाग्य से न्यायपालिका के लिए भी यह सबसे काला समय था।

राजनीतिक विवाह से पहले ही तलाक : पूनावाला

तृणमूल के गठबंधन से अलग होने पर भाजपा का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की ममता बनर्जी की घोषणा के बाद भाजपा ने विपक्षी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। किसी ने इसे कागजी गठबंधन बताया तो किसी ने राजनीतिक विवाह सफल होने से पहले ही तलाक की बात कही। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने तो इसे सांप और नेवले के बीच अस्वाभाविक गठबंधन करार दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा, यह एक कागजी गठबंधन है और ममता की टिप्पणियों से यह स्पष्ट हो गया है कि उसके एजेंडे में कोई स्पष्टता नहीं है और न ही कोई नेतृत्व है।

पार्टी के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राजनीतिक विवाह के सफल होने से पहले ही तलाक हो गया, ममता दीदी ने बंगाल में कोई गठबंधन नहीं करने की घोषणा कर दी। सूर्या ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के दल विभिन्न राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं। केरल में वामदल और कांग्रेस आमने सामने हैं। पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच लड़ाई है। इस तरह के अस्वाभाविक गठबंधन का स्वाभाविक अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन पहले दिन से ही सफल नहीं होने वाला था।

भाजपा, आरएसएस की सलाह पर बनी थी टीएमसी : मो. सलीम

कोलकाता। ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने के एलान के बाद विपक्षी गठबंधन की अंदरूनी कलह सतह पर आ गई है। विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने ममता बनर्जी के फैसले की आलोचना शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन में शामिल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के नेता मोहम्मद सलीम ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने काफी पहले ही बता दिया था कि वह अपना रुख बदलेंगी। सीपीआई (एम) के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि नीतीश कुमार ने काफी पहले बता दिया था कि वह (ममता बनर्जी) पलटी मारेंगी, टीएमसी का गठन ही भाजपा और आरएसएस की सलाह पर हुआ था ताकि कांग्रेस को कमजोर किया जाए और फिर यह पार्टी एनडीए में शामिल हो सके। विपक्षी गठबंधन कोई चुनावी समन्वय नहीं है, यह भाजपा के खिलाफ पार्टियों का गठबंधन है। चुनावी समन्वय राज्य स्तर पर अपने तरीके से किया जाएगा। ममता बनर्जी ने बुधवार को साफ कर दिया कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी अकेले चुनाव लड़ेगी और अब कांग्रेस के लिए सीट बंटवारे के लिए रास्ते बंद हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय गठबंधन पर कोई फैसला लिया जाएगा। ममता बनर्जी के इस फैसले से विपक्षी गठबंधन की एकता को बड़ा झटका लगा है।

मतदान में डीप फेक पर सख्ती से निपटेंगे : चुनाव आयुक्त

बोले- हम समान अवसर बनाए रखने के अपने संकल्प पर दृढ़ हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया में लोगों के विश्वास और निष्ठा को कम करने के लिए डीप फेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि ऐसा कुछ होता है तो झूठे नरेटिव से चुनावों की अखंडता के मौलिक सिद्धांत से समझौता करने के किसी भी प्रयास को त्वरित और मजबूत उपायों से निपटा जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर सभी मतदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी ने चुनावी प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए कई सुविधाओं को संभव बनाया है। मगर इसने लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कई चुनौतियां भी पेश की हैं। हालांकि हम समान अवसर बनाए रखने के अपने संकल्प पर दृढ़ हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि झूठी कहानियों से चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को प्रभावित करने के किसी प्रयास से फौरन और कड़ाई से निपटा जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जननायक : भारत रत्न नहीं, चुनावी यत्न

लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। ऐसे में सत्ताधारी दल भाजपा अपनी रणनीतियों पर काम करना शुरू कर चुकी है। देश की राजनीति में यूपी और बिहार इन दो राज्यों की काफी अहमियत है। यही वजह है कि यूपी को साधने के लिए भाजपा ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का वक्त चुनाव के करीब रखा और जल्दबाजी में आधे-अधूरे मंदिर में ही रामलला को विराजमान कर दिया गया। क्योंकि रामलला और राममंदिर के नाम पर भाजपा को हिंदुओं का वोट चाहिए है। यूपी तो सेट हो गया, लेकिन बिहार में अभी भी भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। उल्टा जातिगत जनगणना के बाद से भाजपा काफी दबाव में थी। इसीलिए फूट डालो राज करो की नीति के तहत भाजपा ने नीतीश को फिर से लालच देना शुरू किया। लेकिन अब चुनाव के करीब आते ही भाजपा ने एक ऐसा दांव चला है, जिसके दम पर वो ओबीसी को लुभाने का प्रयास करेगी और जातिगत जनगणना के मुद्दे पर पिछड़ने के बाद अपनी पकड़ को मजबूत बनाने का भी प्रयास करेगी। दरअसल, 24 जनवरी को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जन्म जयंती थी।

कर्पूरी ठाकुर बिहार की एक बहुत बड़ी शख्सियत रहे हैं। इसलिए राजद और जेडीयू दोनों ही कर्पूरी को प्रणाम करने का मौका नहीं छोड़ते और उनकी जयंती पर उच्च स्तर पर कार्यक्रम करते हैं। पिछले कई मौकों पर बिहार से कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग भी उठती रही है। अब जब लोकसभा चुनाव आने वाले हैं, तो भाजपा की मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती की पूर्व संध्या पर जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान कर दिया। एक बार फिर भाजपा की टाइमिंग कमाल की है। दरअसल, कर्पूरी को भारत रत्न देने के बहाने भाजपा द्वारा पिछड़ों के वोट बैंक को लालू-नीतीश से छिनने का प्रयास किया गया है। क्योंकि जबसे बिहार में जाति जनगणना हुई थी, तबसे ही भाजपा काफी दबाव में थी। जाति जनगणना का विरोध करने के कारण उस पर पिछड़ों के अपमान का भी आरोप लगाया जाता रहा है। ऐसे में कर्पूरी को भारत रत्न देकर भाजपा ने खुद को पिछड़ों का हितैषी जताने और उन्हें लुभाने का भी प्रयास किया है। साथ ही कर्पूरी व पिछड़ों के मुद्दे पर लालू-नीतीश को भी चुप कराने का प्रयास है। वहीं भाजपा के इस कदम ने नीतीश के वापस एनडीए में जाने की अटकलों को भी और हवा दे दी है। क्योंकि कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर फिलहाल जेडीयू के ही राज्यसभा सांसद हैं। यानी साफ है कि मोदी सरकार का ये कदम जननायक को भारत रत्न नहीं, बल्कि एक चुनावी यत्न है। जिसका मकसद बिहार में पिछड़ा वोट हासिल कर अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

“ यूपी तो सेट हो गया, लेकिन बिहार में अभी भी भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। उल्टा जातिगत जनगणना के बाद से भाजपा काफी दबाव में थी। इसीलिए फूट डालो राज करो की नीति के तहत भाजपा ने नीतीश को फिर से लालच देना शुरू किया। लेकिन अब चुनाव के करीब आते ही भाजपा ने एक ऐसा दांव चला है, जिसके दम पर वो ओबीसी को लुभाने का प्रयास करेगी और जातिगत जनगणना के मुद्दे पर पिछड़ने के बाद अपनी पकड़ को मजबूत बनाने का भी प्रयास करेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी साल में अंतरिम बजट से उम्मीदें

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरे देश की निगाहें वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक फरवरी को पेश किए जाने वाले वर्ष 2024 के अंतरिम बजट की ओर लगी हुई है। वस्तुत: देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं। एक अंतरिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। सामान्यत: अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य होता है। लेकिन अधिकांश अंतरिम बजटों में लोकलुभावन योजनाओं और बड़ी-बड़ी राहतों का ढेर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं से संतुलित अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं।

नि:संदेह इस समय वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट को अंतिम रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समक्ष हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुंजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यय योजना की घोषणा का है। साथ ही आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कोई एक माह बाद आने की संभावना रहेगी। कहा है कि वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में जिस तरह लोकलुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थीं और कर उपायों की अनदेखी की गई, वह वैसा नहीं करने जा रही हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए अंतरिम बजट के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर परिदृश्य पर सकारात्मक बदलाव होने का अनुकूल परिदृश्य मौजूद है। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगे लगाकर वृद्धि हुई है।

2023-24 के 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ के स्तर को पार कर चुका हैं। वित्त वर्ष 2014-22 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान

3.5 लाख रुपये के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हो गए हैं। देश में कर सुधारों से आयकरदाताओं और आयकर संग्रहण के साथ-साथ जीएसटी में लक्ष्य से भी अधिक वृद्धि की बड़ी अनुकूलताएं हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के पहले 2019 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि पिछले माह दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका अहम मानी गई हैं, इसे ध्यान में रखते हुए वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ-साथ छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं। नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं व मध्यम वर्ग को कुछ राहत दी जा सकती है। बजट में किफायती आवासों के लोन पर ब्याज पर सब्सिडी बढ़ सकती है। नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए आयकर छूट की सीमा बढ़ सकती है। किसानों और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट में बड़े ऐलान हो सकते हैं। किसान सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है। नए बजट में राजकोषीय घाटा और विनिवेश लक्ष्य कम हो सकता है। विनिवेश लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपये से नीचे रखा जा सकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी जा सकती है। जहाँ विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिए सरकार नए अंतरिम बजट से पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसे कपड़ा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत कर सकती है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को भी प्रोत्साहनमूलक राहत दे सकती है।

नए अंतरिम बजट में देश में डिजिटल क्रांति को बढ़ाने से संबंधित मोबाइल सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न उत्पादों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए अधिक पूंजीगत व्यय के प्रावधान भी दिखाई दे सकते हैं। नए बजट में वित्तमंत्री जनकल्याण की ऐसी घोषणाएं भी कर सकती है, जो अंतरिम बजट का हिस्सा नहीं होते हुए आगामी पूर्ण बजट की घोषणाओं की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए दिखाई दें। इन दिनों वेतनभोगी (सैलरीड) वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाता और मध्यम वर्ग के लोग यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष 223-24 के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी कोई उपयुक्त राहत नहीं मिली है।

संयम-करुणा से नया इतिहास रचने का समय

विश्वनाथ सचदेव

बाईस जनवरी दो हजार चौबीस। यह कैलेंडर की एक तारीख मात्र नहीं है। अयोध्या में भगवान राम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही यह तारीख, जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'नये इतिहास-चक्र की भी शुरुआत' है। इस अवसर पर किये गये संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' को एक नया आयाम भी दिया है। यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एक चुनावी वादे का पूरा होना भी है। चुनावी घोषणापत्र में भाजपा लगातार इसकी बात भी करती रही है और यह भी सही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस मुद्दे को स्थगित रखकर एक राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण ही प्रस्तुत किया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद 'बालक राम' के मंदिर का निर्माण निर्बाध भी हो गया था और एक स्वाभाविक परिणति भी।

अयोध्या में मंदिर निर्माण को पूरे देश में जो प्रतिसाद मिला है, वह कल्पनातीत है। भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा, इसमें कोई संशय नहीं, पर जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा है, 'राम विवाद नहीं, समाधान है'। उनके इस कथन को समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए। राम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, राम प्रतीक हैं सुशासन के। सुशासन, जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। तुलसी ने कहा था 'दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, राम राज नहिं कहुहि व्यापा' इस राज में, 'नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना, नहीं कोउ अबुध न लच्छन हीना।'

किसी भी अच्छे शासन में यह बुनियादी स्थिति होनी चाहिए। राम-राज्य की बात तो हम बहुत करते हैं पर यह भूल जाते हैं कि राम-राज्य की परिकल्पना में हर नागरिक को समान अधिकार प्राप्त थे। राम ने तो स्वयं यह बात स्पष्ट की थी कि यदि राज-काज में उनसे कोई ग़लती हो जाती है तो हर नागरिक को यह अधिकार है, और यह उसका दायित्व है कि वह राजा को ग़लती का अहसास कराये। आज जब देश अयोध्या में राम मंदिर का उत्सव मना रहा है, यह बात भी याद रखना ज़रूरी है कि वनवास भोगकर जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो हर नागरिक को खुशी मनाने का अवसर और अधिकार मिला था। समान अधिकार। राम के समावेशी शासन में कोई पराया नहीं था। सब अपने थे। आज जब देश 'राममय' हो रहा है, इस अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना जरूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, होने वाला कोई भी विभाजन 'राम-राज्य' में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है। पर इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा हमें। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघ चालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा था 'जोश के माहौल में होश की बात' करनी जरूरी है। यह होश ही वह किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। बाढ़ से बचाते हैं। बाढ़ का मतलब तबाही होता है, इस तबाही से बचाना है तो हमें 'संयम बरतना होगा,' सहमति के संवाद का मार्ग स्वीकारना होगा। यह समझना ज़रूरी है कि 'सहमति के लिए' और 'सहमति का संवाद' बने कैसे? इसके लिए विजय के साथ-साथ विनय की भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने आने वाले हज़ार वर्षों के भारत की नींव रखने की बात कही है। इस नींव को आपसी भाई-चारे और मनुष्य की एकता-समानता के सीमेंट से ही मजबूत बनाया जा सकता है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। जब हम एक भारत श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं तो यह भी समझना होगा कि आसेतु-हिमालय एक भारत जिस समाज से बनेगा वह किसी धर्म-विशेष का नहीं होगा। भारत के नागरिक का धर्म चाहे कोई भी हो, वह पहले भारतीय है। हर धर्म हमें मनुष्य बनने की प्रेरणा देता है। हर धर्म हमें एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करने का संदेश देता है।

हर धर्म हमें सिखाता है कि लक्ष्य एक है सिर्फ वहां तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। फिर, आदमी और आदमी में भेद किस बात का? मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर या गुरुद्वारे में धर्म को बांट कर वस्तुत: हम धर्म को न समझने का उदाहरण ही प्रस्तुत करते हैं। बहरहाल, अब जबकि अयोध्या में रामलला के भव्य-मंदिर का निर्माण हो चुका है, और हम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव भी मना चुके हैं तो हमें आगे क्या करना है? यह सवाल अपने संबोधन में भागवत ने भी उठाया था। उन्होंने कहा था, अब हमें अहंकार को छोड़कर करुणा और संयम से काम लेना होगा। समय आ गया है जब हमें सदियों के इतिहास को पीछे छोड़कर आने वाली सदियों के इतिहास की शुरुआत करनी है। एक नया इतिहास रचने का समय है यह। संयम और करुणा के भाव से ही मनुष्यता का भावी इतिहास रचा जा सकता है।

चुनाव करीब आते ही ढीली पड़ने लगी इंडिया गठबंधन की गांठ

- ममता बनर्जी के 'एकला चलो रे' के बाद पंजाब में आप के भी बदले सुर
- यूपी-बिहार में भी हो सकता है खेला, अब नीतीश-अखिलेश के कदम पर सबकी निगाहें
- क्षेत्रीय दलों की बढ़ेगी वार्गेनिंग पावर, कांग्रेस के साथ होगी प्रेशर पॉलिटिक्स
- नरम पड़ी कांग्रेस, डैमेज कंट्रोल का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनवरी माह की इस रूह कंपाती सर्दी देश का सियासी पारा काफी चढ़ा हुआ है। जिसके चलते सियासत में लगातार गर्मी बनी हुई है। एक ओर सत्ताधारी दल भाजपा है जो राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से काफी उत्साहित है और भगवान राम के नाम पर अपनी सियासी रोटियां सेंकने को तैयार है। तो वहीं दूसरी तरफ है विपक्षी एकता से मिलकर बना इंडिया गठबंधन। लेकिन जितना-जितना लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है, उतना-उतना ही इंडिया गठबंधन की गांठ कमजोर होती जा रही है। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने तो इंडिया गठबंधन व कांग्रेस को एक बड़ा झटका दे दिया है। 'एकला चलो रे' के नारे पर आगे बढ़ते हुए ममना बनर्जी ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। ममता ने दो टूक कह दिया है कि टीएमसी सूबे की सभी 42 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। इतना ही नहीं अपने इस ऐलान के समय ममता ने कांग्रेस पर काफी निशाना भी साधा।

कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए ममता बनर्जी ने साफ कहा कि मैंने जो भी सुझाव दिए, वह सभी नकार दिए गए। इन सबके बाद हमने बंगाल में अकेले जाने का फैसला किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल में यात्रा करने जा रहे हैं, इसकी जानकारी शिष्टाचार के नाते भी उनको नहीं दी गई। ममता ने कहा कि इन सबको लेकर हमसे किसी भी तरह की कोई चर्चा नहीं की गई। ये पूरी तरह गलत है। ममता बनर्जी ने दो टूक कहा कि हमने पहले ही कह रखा है कि कांग्रेस 300 सीटों पर चुनाव लड़े और क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र में बीजेपी से मुकाबला करने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय दल एक साथ रहेंगे लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अगर वह हस्तक्षेप करेंगे तो हमें फिर से विचार करना होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस के करने को लेकर भी सवाल उठाए। वहीं ममता के ऐलान के बाद पंजाब में आप के भी सुर बदले-बदले दिखे। तो वहीं निगाहें यूपी और बिहार में नीतीश व अखिलेश पर भी लगी हैं। ऐसे में अब बंगाल से लेकर यूपी और पंजाब तक जिस तरह के हालात बन रहे हैं, इंडिया गठबंधन की तस्वीर क्या रहती है? यह देखने वाली बात होगी।

हालांकि, ममता के कड़े रुख के बाद कांग्रेस नरम पड़ी है और डैमेज कंट्रोल की कोशिश करने लगी है। ममता के ऐलान के थोड़ी देर बाद ही कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हम ममता बनर्जी के बिना इंडिया ब्लॉक की कल्पना नहीं कर सकते हैं। जयराम का कहना था कि रास्ते में कभी-कभी स्पीड ब्रेकर आ जाते हैं, कभी-कभी हरी बत्ती आ जाती है। हम ममता जी के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। हमें पूरी उम्मीद है जो बातचीत चल रही है। इंडिया ब्लॉक एकजुट होकर बंगाल में चुनाव लड़ेगा। हमारा मुख्य उद्देश्य देश और बंगाल में बीजेपी को हराना है। हम इसी सोच के साथ बंगाल में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का पूरा बयान है कि हम बीजेपी को हराना चाहते हैं। ये एक लंबा सफर है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस इंडिया गठबंधन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्तंभ है। कुछ न कुछ रास्ता निकाला जाएगा।

क्या करेंगे नीतीश कुमार-अखिलेश यादव

वहीं ममता के ऐलान के बाद अब सभी की नजरें हिंदी पट्टी के दो प्रमुख राज्यों यूपी और बिहार पर लगी हैं। क्योंकि यहां भी यूपी में समाजवादी पार्टी और बिहार में नीतीश की जेडीयू के इरादे अभी तक कुछ पक्के नहीं लग रहे हैं। समय-समय पर ये दोनों ही दल कांग्रेस को आंख दिखाते रहे हैं। ऐसे में अब ममता बनर्जी के फैसले के बाद इन दोनों पर सबसे ज्यादा निगाहें हैं। इंडिया गठबंधन को आकार देने में लीड रोल निभाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तेवर भी कांग्रेस को लेकर तल्ख हैं। लालू यादव के साथ उनकी बिगड़ती केमिस्ट्री और पाला बदल फिर से केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले एनडीए में जाने की अटकलें भी हैं। लोकसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव भी अपनी लकीर खींचे खड़े हैं। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि क्या ममता बनर्जी के इस एकला चलो दांव ने नीतीश और

अखिलेश जैसे नेताओं के लिए भी मंच सेट कर दिया है? ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस की स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। कांग्रेस तीनों ही राज्यों में अधिक सीटें चाहती है। उसकी मंशा गठबंधन सहयोगियों के सहयोग से इन राज्यों में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने, सीटों की संख्या बढ़ाने की है। ममता बनर्जी के ऐलान से कांग्रेस की रणनीति को झटका लगा है। अब कांग्रेस के सामने सीट शेयरिंग में अधिक सीटें पाने के साथ ही गठबंधन सहयोगियों को साथ बनाए रखने की चुनौती भी होगी। कांग्रेस की बारगेन पावर कम होगी तो वहीं नीतीश और अखिलेश समेत अन्य राज्यों में मजबूत आधार रखने वाली पार्टियों के नेता भी मजबूती से अपनी शर्तें रखेंगे। ममता का ऐलान कांग्रेस के लिए इस संदेश की तरह है कि अगर वह गठबंधन में रहना चाहती है तो फिर वह उन दलों की शर्तों पर चले जो दल वहां मजबूत है। अब कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार और अखिलेश यादव जैसे नेता जो अपने-अपने राज्यों में मजबूत जनाधार रखते हैं, उनके लिए कांग्रेस को उसकी सियासी जमीन दिखाने और अपने हिसाब से सीटें देने, अपनी शर्तें मनवाने के लिए माहौल अनुकूल हो गया है।

आप ने भी दिखाए अपने तेवर

ममता के इस ऐलान ने इंडिया गठबंधन की चूरों को अंदर तक काफी हिला दिया है। तो वहीं ममता ने अपने इस फैसले से गठबंधन के कुछ एक अन्य दलों के लिए भी एक रास्ता दिखा दिया है। जिस पर चलकर ये दल इंडिया गठबंधन को कमजोर कर सकते हैं और कांग्रेस पर भी प्रेशर पॉलिटिक्स का गेम खेल सकते हैं। यही देखने को भी मिला। क्योंकि ममता के अकेले लड़ने के ऐलान के बाद पंजाब में आम आदमी पार्टी के भी सुर बदलने लगे। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कांग्रेस से गठबंधन की अटकलों को दरकिनार कर पंजाब में सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कह दी। मान ने ये बात उस वक्त पर कही जब कांग्रेस और आप के बीच राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन हो चुका है। इसके अलावा गुजरात और दिल्ली में भी सीटों पर सहमति बन गई है। लेकिन पंजाब में आप की बड़े बहुमत वाली सरकार है। ऐसे में यहां लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने पर सहमति नहीं बन रही। पंजाब आप ने प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी भी शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान दिया था। ये बयान उस समय सामने आया था जब दिल्ली में कांग्रेस और आप आलाकमान के बीच पंजाब को लेकर सहमति नहीं बन सकी थी। कहा तो यह भी जा रहा है कि पंजाब कांग्रेस की ओर से अकेले चुनाव लड़ने को लेकर शीर्ष नेतृत्व के पास एक प्रस्ताव भेजा गया था जिस पर अरविंद केजरीवाल मुहर भी लगा चुके हैं। अब सीएम मान के ताजा बयान को भी इसी बात का संकेत माना जा रहा है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी भी सीट शेयरिंग को लेकर अड़ियल रुख का आरोप लगाते हुए इंडिया गठबंधन को झटका दे सकती है। ऐसे में ममता के ऐलान के बाद एक बार फिर पंजाब में आप के सुर बदलना कांग्रेस पर प्रेशर बनाने की पॉलिटिक्स का भी हिस्सा हो सकता है।

ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं अखिलेश

दरअसल, बिहार से लेकर यूपी तक कांग्रेस की अपनी डिमांड है। कांग्रेस ने बिहार की 40 में से 10 लोकसभा सीटों पर दावा किया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सूबे में महज एक सीट पर जीत मिली थी। यूपी में लोकसभा की 80 सीटों में से कांग्रेस 25 सीटें मांग रही है। यूपी कांग्रेस के नेता सपा के बराबर सीटें चाहते हैं और यह चाहते हैं कि सीट शेयरिंग का आधार 2009 के लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन बने। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सूबे में गठबंधन से लेकर सीट शेयरिंग तक, अपनी लकीर खींच रखी है। अखिलेश पहले ही यह साफ कर चुके हैं कि सपा 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी की रणनीति साफ है- गठबंधन सहयोगियों जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) और कांग्रेस को 15 सीटों पर एडजस्ट करने की। सपा और आरएलडी के बीच सात सीटों पर सहमति बन गई है। आरएलडी के कोटे में सात सीटें जाने के बाद अब कांग्रेस के लिए आठ सीटें हीं बचीं। सपा ने जिस तरह से यह शर्त रख दी है कि सीटों के साथ ही उम्मीदवारों के नाम भी बताइए, हम देखेंगे वहां संबंधित उम्मीदवार जीत सकता है या नहीं। सपा की कड़ी शर्तें इस बात का इशारा मानी जा रही हैं कि अखिलेश यादव कांग्रेस को एक दर्जन से अधिक सीटें देने के मूड में नहीं हैं।

नीतीश भी कांग्रेस से नहीं खुश

नीतीश कुमार ने सीट शेयरिंग में हो रही देर और पांच राज्यों में चुनाव के समय ठप पड़ी गठबंधन की गतिविधियों के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधा था। कांग्रेस को लेकर नीतीश की तल्खी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि सीट शेयरिंग को लेकर भी जेडीयू सीधे बात करने से परहेज कर रही है। कांग्रेस से सीट शेयरिंग पर बात करने की जिम्मेदारी लालू यादव की आरजेडी को सौंपी गई है। ममता के इस ऐलान के बाद जेडीयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने बिहार में गठबंधन के घटक दलों के बीच सबकुछ ठीक होने का दावा तो किया लेकिन साथ ही यह भी जोड़ दिया कि कांग्रेस और लेफ्ट से सीटों पर आरजेडी को बात करनी है। दरअसल, नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन में किसी बड़ी भूमिका की उम्मीद थी। हो भी क्यों न, नीतीश ने ही इंडिया गठबंधन की नींव रखी और शुरूआत में अलग-अलग राज्यों में जाकर दलों से बातचीत भी की। लेकिन जब संयोजक की बात आई तो गठबंधन ने एक संयोजक बनाने की जगह सामूहिक नेतृत्व के फॉर्मूले पर कोऑर्डिनेशन कमेटी बना दिया। पीएम फेस की बात आई तो ममता बनर्जी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे कर दिया। इन सबको लेकर नीतीश कुमार नाराज बताए जा रहे हैं।

गणतंत्र दिवस के पीछे का इतिहास

भारत ने लगभग 200 वर्षों तक ब्रिटिश औपचारिक शासन के तहत रहा, जिसका स्वतंत्रता से मुक्ति प्राप्त हुई 1947 में, जब महात्मा गांधी जैसे प्रमुख नेताओं के महान प्रयासों ने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया। इससे उपमहाद्वीप पर ब्रिटिश शासन का अंत हुआ। स्वतंत्र भारत के लिए स्थायी संविधान का मसौदा स्वतंत्रता के तुरंत बाद ही तैयारी शुरू हुई थी। इसे डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के नेतृत्व में बैठे संविधान सभा ने तैयार किया था। विचार-विमर्श और बहस के कई वर्षों के बाद, संविधान सभा ने 1949 में लिखित संविधान का पूरा कर लिया। इसे आधिकारिक रूप से 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया। इस संविधान ने फिर 26 जनवरी, 1950 को पूरी तरह से प्रभावी हो गया। इससे भारत को ब्रिटिश क्राउन के तहत से एक स्वराज्य में परिणाम हुआ और उसे भारतीय गणराज्य में बदल दिया, जिसमें लोकतांत्रिक सरकार है।

बच्चों को देशभक्ति के गाने याद कराएं

बच्चों को फिल्मी संगीत बहुत जल्दी याद हो जाते हैं। उनकी कविताओं या गाने की लिस्ट में देशभक्ति गानों को शामिल करें। राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत सुनाएं और याद कराएं। उन्हें इन देशभक्ति गानों के बारे में बताएं। बच्चों को देशभक्ति से जुड़ी फिल्में भी दिखा सकते हैं।

स्कूलों और समुदायों में उत्सव

गणतंत्र दिवस सप्ताह के भीतर, विद्यालयों और समुदायों में पूरे राष्ट्र में उत्सव आयोजित होते हैं जो भारतीय संविधानिक मूल्यों और विविधता में एकता की प्रतिबद्धता को याद करने के लिए होते हैं। स्कूली बच्चे तिरंगे वाली कैप और पिन के साथ तैयार होते हैं और छोटे भारतीय झंडे लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिनमें गानों, नृत्यों, और नाटकों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की कड़ी को दोहराया जाता है। सरकारी कार्यालय प्रकाशित होते हैं, सार्वजनिक स्थानों को पतंग और रोशनियों से सजाया जाता है, और स्थानीय समुदाय मेले और प्रतियोगिताओं के साथ जज्बाती स्वाभाविकता को बढ़ाते हैं और राष्ट्र के भविष्य के प्रति आशाएं दिखाते हैं। भारत के शहरों में तिरंगे के रंग की कैनोपी प्रकाशित की जाती है।

गणतंत्र दिवस

इसी दिन रखी गयी देश के लोकतंत्र की मजबूत नींव

गणतंत्र दिवस शाही शासन से भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सभी नागरिकों के लिए समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित एक आधुनिक संवैधानिक गणराज्य के रूप में इसके पुनर्जन्म का जश्न मनाने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 26 जनवरी को वार्षिक उत्सव दुनिया के सबसे बड़े लिखित लोकतांत्रिक संविधान के लागू होने का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जिसने एक बहुलवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी, जिसका लक्ष्य भारत की विविधता को एक समावेशी, प्रगतिशील और एकीकृत राष्ट्र के रूप में एकजुट करना है जो शांति और समृद्धि की ओर अग्रसर हो। सभी के लिए। गणतंत्र दिवस हमें नागरिकों के रूप में संवैधानिक आदर्शों और मूल्यों का समर्थन करने और सुरक्षित रखने के लिए पुनर्नवीनीकरण करता है ताकि भारत को प्रगतिशील सभीसंग की ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

यह संविधान आज तक देश के सर्वोच्च कानून के रूप में बरकरार है।

गणतंत्र दिवस का महत्व

संविधान को अपनाने से भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संघीय गणराज्य बनाया गया, जिसे लोकतांत्रिक रूप से शासित किया जाता है। भारतीय संविधान ने सभी नागरिकों को धर्म, वर्ग, जाति या लिंग की परवाह किए बिना वोट देने के अधिकार की गारंटी देते हुए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को संस्थागत बनाया। यह अग्रणी था, क्योंकि उस समय 20 से भी कम देशों के पास सार्वभौमिक मताधिकार था। अन्य प्रमुख संवैधानिक अधिकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर समान पहुंच की गारंटी दी और साथ ही अस्पृश्यता और बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया। इसलिए यह तारीख सभी भारतीय नागरिकों के लिए सामाजिक समानता और समान अवसर के नागरिक अधिकारों को लागू करने का प्रतीक है। इसने सभी के लिए समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से शासन करने की भारत की शानदार प्रतिबद्धता को चिह्नित किया।

हंसना मना है

विवाहित औरत पर किस तरह के भावों का प्रभाव पड़ता हैं? मनोविज्ञान के प्रोफेसर ने पूछा। विद्यार्थी-'जी, पति के स्वभाव का एवं बाजार के भाव का।

पिता-'तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। पुत्र-'वाह पिताजी, अभी तक किसी ने बकरे और घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

ज्योंतिषी (रीता से)-'अच्छा, तो तुम खुद प्रेमी का आनेवाला कल जानना चाहती हैं? रीता-'जी नहीं, उसका आनेवाला कल तो मेरे हाथ में है। तुम उसके अतीत के बारे में बताओ।

नेता (भाषण देते हुए)-'हम इस देश के लिए अपनी जान भी दे देंगे। एक इंसान उठकर बोला-'आप महंगाई के खिलाफ क्यों नहीं लड़ते? नेताजी-'मुझे लड़ाई से बहुत ही डर लगता है।

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे स्टेशन-मास्टर से शिकायत की-चालीस मिनट हो गए हैं, गाड़ी आज तक नहीं पहुंची। स्टेशन-मास्टर ने कहा-'घबराइए नहीं, ये टिकट चौबीस घंटे तक चल सकता है।

लेखक-'आपने मेरा नया उपन्यास पढ़ा? उसकी सब क्षेत्र में धूम है। आलोचक-मैं तो इतना व्यस्त हूं कि जिन पुस्तकों की बुराई लिखता हूं, उन्हें भी नहीं पढ़ पाता।

कहानी | कौवा और दुष्ट सांप

एक बार की बात है। एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी इस खुशी को एक सांप की नजर लग गई। जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहने वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। इस प्रकार कई दिन निकल गए। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। इसी बीच कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हार को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछे कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

सिंह तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

मीन किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं निशांत को नहीं किसी और डेट कर रही हूं: कंगना रनौत

कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। कल एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया था। लेकिन प्रोफेशनल लाइफ के अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। कंगना का नाम करोड़पति बिजनेस मैन निशांत पिट्टी के साथ जोड़ा जा रहा है। एक्ट्रेस की कुछ तस्वीरें उनके साथ सामने आई, जिसके बाद दोनों की डेटिंग रूमर्स ने तेजी से लोगों का ध्यान। हालांकि, इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ पर बड़ा अपडेट दिया है। कंगना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने रिलेशनशिप का का खुलासा किया। एक्ट्रेस ने निशांत पिट्टी के साथ रिलेशन की खबर की एक पोस्ट शेयर कर यह क्लियर किया वह उन्हें डेट नहीं कर रही है। दोनों एक दूसरे को जानते हैं और अयोध्या में फोटो क्लिक कराई थी। कंगना ने कहा कि निशांत शादीशुदा हैं और वह किसी और को डेट कर रही हैं, जिसका खुलासा वह सही समय आने पर करेंगी। कंगना ने निशांत के साथ रिलेशन के रूमर्स वाली स्टोरी को फेक बताते हुए लिखा कि इस तरह की अफवाहें फैलाकर शर्मिंदा न करें। एक यंग वुमन का नाम आए दिन किसी न किसी के साथ जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने कहा, एक यंग महिला का नाम किसी नए आदमी के साथ जोड़ना सही नहीं है। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने साथ में तस्वीरें क्लिक करा लीं। प्लीज ऐसा मत कीजिए। एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो फैंस उन्हें इमरजेंसी में देखेंगे। यह फिल्म इस साल 14 जून को रिलीज हो रही है। फिल्म में कंगना ने भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल किया है। फिल्म का डायरेक्शन और प्रोडक्शन भी कंगना की देखरेख में हुआ है। इमरजेंसी में कंगना के अलावा जयप्रकाश नारायण के रोल में अनुपम खेर, अटल बिहारी वाजपेयी के रोल में श्रेयस तलपड़े, मोराजी देसाई के रोल में अशोक छाबरा, फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल में मिलिंद सोमन, संजय गांधी के रोल में विशाक नायर और जगजीवन राम के रोल में सतीश कौशिक नजर आएंगे।

अब कन्नड़ इंडस्ट्री का रुख कर रहीं नोरा फतेही

नोरा फतेही बॉलीवुड में अपने डांस मूव्स और कातिल अदाओं के लिए मशहूर हैं। नोरा के लिए नया साल कई सारी खुशियां लेकर आया है। बॉलीवुड और तेलुगु फिल्म करने के बाद अब अभिनेत्री ने पहली कन्नड़ फिल्म साइन की है। केवीएन प्रोडक्शन ने अपने आगामी दो महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स के लिए नोरा को साइन किया है। नोरा पहली बार किसी कन्नड़ फिल्म में काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने मीडिया से खुलकर इस विषय में बातें कीं। बॉलीवुड में अपने डांस के दम पर मुकाम हासिल करने वाली नोरा अब किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। नोरा ने अपने डांस नंबर के दम पर कई फिल्मों को हिट कराया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नोरा की पहली कन्नड़ फिल्म का नाम केडी-द डेविल होगा। इस फिल्म में नोरा के साथ बॉलीवुड के दिग्गज स्टार संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। इतना ही नहीं फिल्म में संजय नोरा के साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे।

संजय दत्त के अलावा, शिल्पा शेट्टी और विजय सेतुपति भी नोरा फतेही की इस कन्नड़ फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक प्रेम नोरा की पहली कन्नड़ फिल्म केडी - द डेविल का निर्देशन करने वाले हैं। प्रेम ने भी मीडिया से बातें करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे नोरा की मेहनत और काबिलियत पर पूरा भरोसा है। वे जो भी काम करती हैं, पूरी शिद्दत से करती हैं। मुझे यकीन है कि इस फिल्म में भी नोरा का वही अंदाज देखने को मिलेगा। उनकी वजह से ये फिल्म सुपर हिट होगी।

चेन्नई स्टोरी में जासूसी करेंगी श्रुति हासन

साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री श्रुति हासन को बीते दिनों प्रभास के साथ फिल्म सलार में देखा गया था। अब एक्ट्रेस अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। श्रुति अब फिल्म चेन्नई स्टोरी में नजर आएंगी। इसका निर्देशन बाफ्टा विजेता फिलिप जॉन कर रहे हैं। श्रुति हासन ने इस फिल्म में काम करने को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है।

ये फिल्म भारत और यूके की साझेदारी में बन रही है। ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट (बीएफआई) यूके ग्लोबल स्क्रीन फंड फिल्म को सहयोग कर रहे हैं। चेन्नई स्टोरी को लेकर श्रुति हासन ने कहा, मैं इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत खुश हूं। इस फिल्म में चेन्नई की विविधता और विशिष्टता को दिखाया जाएगा, इसलिए यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। मैं चेन्नई स्टोरी के जरिए अपनी संस्कृति को अंतराष्ट्रीय दर्शकों तक ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। बाफ्टा विजेता फिलिप जॉन ने कहा, मैं चेन्नई स्टोरी फिल्म में श्रुति हासन के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। इस फिल्म में चेन्नई और कार्डिफ दोनों शहरों की सांस्कृतिक दिखाई जाएगी। बीएफआई के समर्थन से यह फिल्म अंतराष्ट्रीय स्तर पर एक नया सहयोग लाती है। रिपल वर्ल्ड पिक्चर्स के प्रोड्यूस और फाउंडर डोमिनिक राइट ने कहा, हम इस बात से बहुत खुश हैं कि साउथ की बहुप्रतिभाशाली अभिनेत्री श्रुति हासन बीएफआई इंस्टिट्यूट यूके और भारत सह-उत्पादन फिल्म के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। श्रुति इस फिल्म में ब्रिटिश स्टार विवेक कालरा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगी।श्रुति हासन की फिल्म की बात करें, तो अभिनेत्री की यह फिल्म तिमेरी एन. मुरारी के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास द अरेंजमेंट्स ऑफ लव पर आधारित है। यह फिल्म वेल्स और भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें श्रुति हासन एक जासूस अनु की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

अजब-गजब | चौंकाने वाला है इस अद्भुत नजारे का रहस्य!

दुनिया का सबसे अनोखा झरना गिरती धाराओं में लग जाती है 'आग'

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के योसेमाइट नेशनल पार्क में एक मौसमी झरना है, जिसे हॉर्सटेल फॉल के नाम से जाना जाता है। साल के एक खास समय पर इस झरने की गिरती धाराएं लाल-नारंगी रोशनी से चमकती हुई दिखती हैं, जैसे कि उनमें आग लगी हो, इसलिए इसे दुनिया का सबसे अनोखा झरना कहा जा सकता है। हालांकि, इस अद्भुत नजारे का रहस्य बेहद चौंकाने वाला है। आइए उसके बारे में जानते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले टि्वटर) पर योसेमाइट फॉयरफॉल का एक वीडियो श्चत्रद्धद्वद्धइद्मद्दह्न1973 नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'परफेक्ट कंडीशन में, योसेमाइट के हॉर्सटेल फ़ॉल्स चमकते हैं। इस प्रभाव को फरवरी के मध्य से अंत तक ही देखा जा सकता है। साफ आसमान और स्नोपैक से पर्याप्त बहाव के साथ सूर्यास्त के समय कुछ मिनटों के लिए झरना रोशनी से जगमगा उठता है।'

योसेमाइट फायरफॉल नेचुरल ऑप्टिकल भ्रम है, जो तब घटित होता है जब डूबते हुए सूरज की किरणें सही कोण पर हॉर्सटेल फॉल की गिरती धाराओं से टकराती हैं जिससे एक लाल-नारंगी चमक पैदा होती है, जिससे झरना ऐसा दिखता है जैसे कि उसमें आग लगी हो। इस घटना को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

दरअसल, सूर्यास्त की बैकलाइट यह भ्रम पैदा करती है। जब लोग इसकी तस्वीरें खींचते हैं तो वे सोच में पड़ जाते हैं कि क्या योसेमाइट फायरफॉल असली में आग से बना है। योसेमाइट फायरफॉल को देखने का सबसे अच्छा समय फरवरी के मध्य से अंत तक होता है। ये प्राकृतिक घटना हर साल 10 से 27 फरवरी तक देखी जा सकती है। जब शाम करीब 5 :30 बजे पर सूरज ढलता है, तो उसका प्रकाश झरने से टकरता है। उस स्थित में महज 3 मिनट तक के लिए यह अद्भुत दृश्य दिखता है, इसलिए इसको देखने के लिए शाम के 4 बजे से ही लोग योसेमाइट नेशनल पार्क में जुटने लगते हैं।

बेहद जहरीला है ये पौधा, कांटे इतने खतरनाक कि चुभ जाएं तो मौत की भीख मांगते हैं लोग

जिंपी-जिंपी बेहद जहरीला पौधा है, जो पूरी तरह से सुई जैसे छोटे बालों से ढका होता है। ये असल में इसके कांटे होते हैं, जो इतने खतरनाक होते हैं कि चुभने पर लोग मौत की भीख मांगते हैं, इसलिए मनमोहक दिखने वाले इस पौधों को देखते ही आपको इससे दूरी बना लेनी चाहिए। इसकी मुलायम और रोएंदार दिल के आकार की पत्तियां होती हैं, जिन पर भी हजारों कांटे होते हैं, जिनमें इतना शक्तिशाली विष होता है, जिनके चुभने पर पीड़ित कई हफ्तों तक दर्द से कराहते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, देखने में जिंपी-जिंपी पौधा मनमोहक लगता है, लेकिन इसे छूने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए। इस पौधे का साइंटिफिक नाम डेंड्रोकनाइड मोरोइड्स है। इसे सुसाइड प्लांट, स्टिंगिंग ट्री या स्टिंगिंग बुश के नाम से भी जाना जाता है। इसे ऑस्ट्रेलिया का सबसे जहरीला पौधा माना जाता है। बोटानिस्ट मरीना हर्ले ने इस पौधे पर स्टडी की है। इन पौधों पर काम करने के दौरान जब उनको पहली बार ये कांटे चुभे तो उनको भयंकर दर्द हुआ था। हर्ले ने इनके चुभने को 'गर्म एसिड से जलाए जाने और एक ही समय में बिजली का झटका' लगने जैसा बताया है। उन्हें एक बार अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी थी। जिंपी-जिंपी पौधे के कांटे का दर्द लंबे समय तक रहता है। पौधे के चारों ओर चुभने वाले बाल होते हैं, जो छूने पर एक मजबूत न्यूरोटॉक्सिन छोड़ते हैं। बाल टूट सकते हैं और त्वचा में छेद कर सकते हैं, जिससे एक चुभन होती है जो तब तक बनी रहती है जब तक शरीर से उन्हें बाहर नहीं निकाल दिया जाता है। इसका दर्द कई दिनों से लेकर महीनों तक रह सकता है। ये जहरीला पौधा 10 फीट तक लंबा हो सकता है और इसमें दिल के आकार के बड़े पत्ते होते हैं जिनकी लंबाई दो फीट तक होती है।

हम और मजबूती के साथ आगे बढ़ : अडानी

शेयर होल्डर बेस करीब 70 लाख तक पहुंचा

हमारे शेयरहोल्डर बेस में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी आम लोगों की सोच में बदलाव का एक बड़ा प्रमाण है, जो एफपीओ का पहला लक्ष्य है. इस चुनौतीपूर्ण साल में हमारे शेयरहोल्डर्स के आधार में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, हमारा शेयरहोल्डर बेस करीब 70 लाख तक पहुंच गया। इस अनुभव ने नॉन-फायनेंशियल स्टेकहोल्डर्स के साथ हमारे प्रभावी ढंग से जुड़ने की जरूरत पर जोर दिया। पिछले साल के ट्रायल और कठिनाइयों ने हमें बहुमूल्य सीख दी, हमें मजबूत बनाया और इंडियन इंस्टीट्यूशन्स में हमारे विश्वास को साबित किया। हालांकि हम पर हुए हमले और एक दृढ़ता के साथ जवाबी कदम निसंदेह एक केस स्टडी बनेंगे, मैंने इस केस से जो सीखा वो साझा करना मेरे लिए जरूरी था, क्योंकि आज हम थे, कल यहां कोई और हो सकता है। बेशक, इसमें भ्रम जैसा कुछ नहीं, अब ऐसे हमलों खत्म हो गए हैं. मेरा मानना है कि हम इस अनुभव से और मजबूत होकर निकले हैं. भारत की विकास गाथा में विनम्रता के साथ अपना योगदान जारी रखे हुए हैं वो भी एक और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप को हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के सभी आरोपों से क्लीन चिट मिल चुकी है। इन आरोपों को लेकर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने लिखा कि इस अनुभव से कंपनी को बहुमूल्य सीख भी मिली। उन्होंने लिखा हमें अतीत में जीना नहीं चाहिए बल्कि निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। श्री अडानी ने लिखा हमारे खिलाफ झूठ और बेबुनियाद आरोप कोई नई बात नहीं थी इसलिए बड़े स्तर पर मिली प्रतिक्रियाओं के बाद, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा नहीं। शॉर्ट-सेलिंग अटैक का प्रभाव आमतौर पर फायनेंशियल मार्केट तक ही सीमित होता है, हालांकि, यह बहुत ही अलग और दो तरफा अटैक था।

बोले- हमारे ऊपर झूठ और बेबुनियाद आरोप लगाए गए

पहला जो निश्चितरूप से वित्तीय था और दूसरा जो राजनीतिक रूप से किया गया, दोनों ही एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। मीडिया में कुछ लोगों के बढ़ावे के चलते हमारे खिलाफ ये झूठ इतने विनाशकारी थे कि इसने हमारे पोर्टफोलियो के मार्केट कैप को काफी हद तक प्रभावित किया। आमतौर पर कैपिटल मार्केट तर्कसंगत के बजाय इमोशन पर ज्यादा प्रभावित होती है। इस बात से मुझे ज्यादा दुख हुआ कि छोटे निवेशकों की बचत खत्म हो गई। अगर हमारे विरोधियों की योजना पूरी तरह से सफल हो जाती, तो इसका दूरगामी प्रभाव, कई अहम बुनियादी ढांचों के एसिट्स, बंदरगाहों और एयरपोर्ट से लेकर पावर सप्लाई चेन तक को अपंग बना सकता था, जो किसी भी देश के लिए एक भयावह स्थिति होती। हम इस स्थिति को संभालने से पीछे नहीं हट सकते थे। हमारे दृढ़ विश्वास ने हमारे बिजनेस को मजबूत रखने और इस विपरीत परिस्थिति से निपटने में काफी हद तक हमारी मदद की। हमने तथ्यों को पारदर्शी ढंग से रखने और अपना पक्ष सामने रखने पर ध्यान केंद्रित किया, इससे हमारे ग्रुप के खिलाफ नेगेटिव कैंपेन का प्रभाव कम हुआ।

गलन व कोहरे से कांपी पूरी यूपी

मौसम विभाग ने कहा- अभी कोई राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुरुवार की सुबह प्रदेश में घने कोहरे के साथ हुई। लखनऊ और उसके आसपास सुबह 8 बजे तक की विजबिलटी 50 मीटर तक रही। कोहरे के साथ-साथ भी हाड़ कंपाती रही। बर्फीली उत्तरी-पश्चिमी हवाओं व गलन की वजह से प्रदेश में कड़ाके की ठंड से अभी राहत मिलने के आसार नहीं हैं। पारा आज और नीचे जा सकता है।

बुधवार को प्रदेश के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे चला गया। कहीं-कहीं दिन में गुनगुनी तो कहीं तेज धूप ने थोड़ी राहत तो दी मगर सर्द हवाओं की वजह से गलन बरकरार रही। शाहजहांपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा, यहां का न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने ठंड की चेतावनी बरकरार रखते हुए कहा कि अगले दो दिनों तक अभी इस कड़ाके की ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं है।

26 तक भी ऐसा ही रहेगा मौसम

प्रदेश भर में जारी शीत दिवस से अति शीत दिवस की स्थिति 26 जनवरी तक ऐसे ही जारी रहने की संभावना है। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव आने पर मामूली सुधार होने के आसार हैं। उधर, बुधवार को सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया आदि इलाकों में शीत दिवस से अति शीत दिवस की स्थिति रही। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को बहराइच, लखीमपुर खीरी, हापुड़, अमरोहा, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल व आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाये रहने का रेड अलर्ट जारी किया है।

घोषणा मात्र ही रह गयी अग्निपथ योजना : राहुल

» **बोले- भाजपा ने 1.5 लाख युवाओं को किया निराश**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना को लेकर की केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सैन्य भर्ती की इस योजना को लेकर भाजपा पर आरोप लगाया कि 1.5 लाख युवा, जिन्हें पिछली प्रक्रिया के तहत नियुक्ति का वादा किया गया था वह अब बेरोजगार और निराश हो गए हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कुछ युवाओं के साथ अपनी बातचीत की और उसका वीडियो यूट्यूब पर पोस्ट किया। इसमें वह उन नौजवानों से बात कर रहे हैं जो कथित तौर पर पिछली भर्ती प्रक्रिया में मंजूरी मिलने पर भी नियुक्त नहीं किए गए थे।

बता दें कि 14 जून, 2022 को घोषित अग्निपथ योजना में साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को केवल चार वर्षों के लिए भर्ती करने का प्रावधान है, जिसमें से 25 प्रतिशत को 15 और वर्षों के लिए बनाए रखने का प्रावधान है। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 25 जनवरी को बंगाल के कूच बिहार जिले के बक्शिरहाट से पश्चिम बंगाल में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी शहर के मां भवानी चौक से पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश कर जाएगी। हालांकि, 31 जनवरी को यात्रा दोबारा मालदा से बंगाल में घुसेगी।

लोस चुनाव के बाद गिरफ्तार किए जाएंगे राहुल : हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा। राहुल के खिलाफ राज्य में हिंसा भड़काने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दरअसल, असम पुलिस ने कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान मंगलवार को हिंसा भड़काने के आरोप में राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, कन्हैया कुमार और पार्टी के अन्य कई नेताओं के खिलाफ स्वत-संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की थी।

खिताब से एक कदम दूर हैं रोहन बोपन्ना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केनबरा। रोहन बोपन्ना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम करने से अब बस एक जीत दूर है जिन्होंने आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने थॉमस माचाक और झांग झिंझेन की जोड़ी को बृहस्पतिवार को तनावपूर्ण सेमीफाइनल में 6-3, 3-6, 7 -6 (10- 7) से हराया।

पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

करीब दो घंटे तक चले मैच में सुपर टाइ ब्रेकर्स में उनका अनुभव काम आया। एक दिन पहले ही बोपन्ना ने विश्व युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया था। उन्होंने मैच में दमदार सर्विस और स्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया। वह 2013 और 2023 में अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे हैं लेकिन ग्रैंडस्लैम खिताब नहीं जीत सके। अब 43 वर्ष की उम्र में वह अपना यह सपना पूरा करने से एक जीत दूर हैं। हन बोपन्ना पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे।

सात्विक व चिराग बैडमिंटन रैंकिंग में फिर टॉप पर

एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी। बता दें कि, दोनों पिछले साल हांगझू एशियाई खेलों में ऐतिहासिक गोल्ड पदक जीतने के बाद पहली बार टॉप रैंकिंग पर पहुंचे। इंडिया ओपन फाइनल में उन्हें वर्ल्ड चैंपियन कांग मिन युक और सिओ सांग जाए ने हराया। अन्य भारतीयों में एचएस प्रणय आठवें नंबर पर पहुंच गए जबकि लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत क्रमश 19वें, 25वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं।

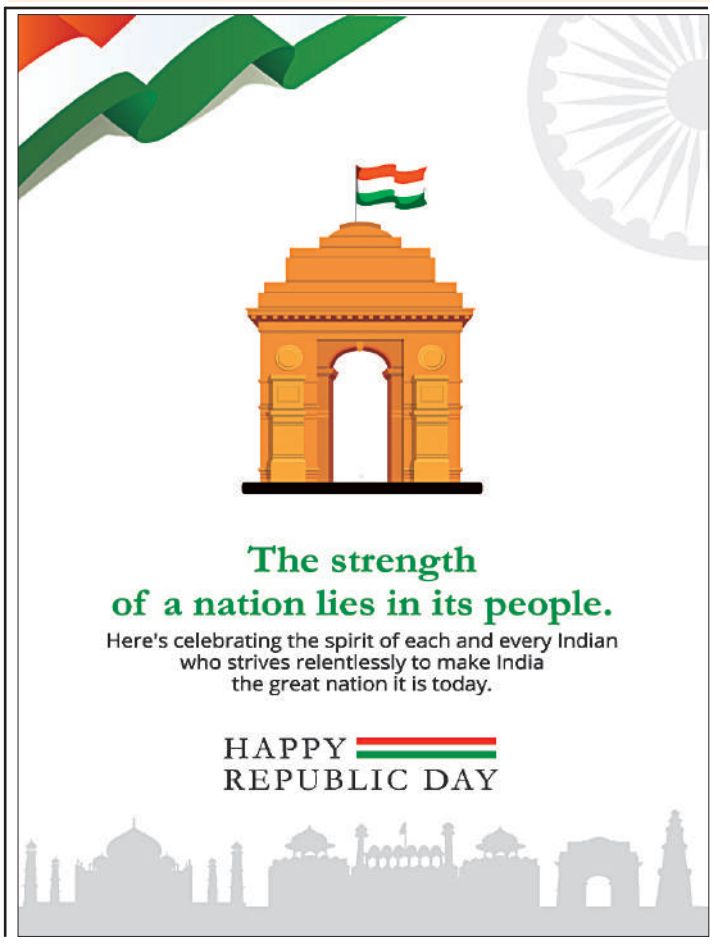

कुंवर्स ग्लोबल स्कूल के वार्षिकोत्सव में जुटे बच्चे

» राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बांटे अपने अनुभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ समाज सेवी एवं मेडसिन मैन ऑफ सलेमपुर राजेश सिंह दयाल के धर्मार्थ संस्थान कुंवर्स ग्लोबल स्कूल के वार्षिकोत्सव में राजपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने मुख्य अतिथि के तौर पर संस्थान एवं बच्चों में अपना समय व्यतीत किया। श्री राम युग की तर्ज पर आधारित संस्कृतिक मंचन का लुत्फ लेते हुए राजपाल ने छात्रों एवं अभिभावकों के सम्मुख अपने जीवन की यात्रा का अनुभव प्रस्तुत किया । राजेश सिंह दयाल द्वारा निर्मित कुंवर्स ग्लोबल स्कूल के प्रांगण में स्थित हनुमान मंदिर में आशीर्वाद लेकर राज्यपाल ने यूपी दिवस की बधाइयाँ दी।

दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत कर राजेश सिंह दयाल द्वारा सम्मान पूर्वक सभी को पौधे भेंट किए गए। दयाल द्वारा राज्यपाल के स्वागत सत्कार के पश्चात राजेश सिंह दयाल ने जय राम का नारा लगाया एवं राम जैसे पुत्र की कामना करने से पहले दशरथ जैसे पिता बनने की सलाह दी ।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने राजेश सिंह दयाल द्वारा सलेमपुर में उनके द्वारा 1.25 लाख लोगों के मुफ़्त इलाज एवं 1000 बुजुर्गों के मुफ़्त मोतियाबिंद ऑपरेशन की जानकारी पर आश्चर्य व्यक्त किया और तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी सराहना भी की। कार्यक्रम में राज्यपाल उत्तर प्रदेश के साथ साथ उनकी पुत्री श्रीमती अनार पटेल, चेयरमैन एन.ए .एफ़ .सी .ए .आर .डी एवं गुजरात खेती बैंक चेयरमैन डॉलर भाई कुटेचा, डिप्टी मेयर जूनागढ़ गिरीश भाई कुटेचा ने भी राममय होकर कार्यक्रम का आनंद लिया एवं राजेश सिंह दयाल का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर संजय सिंह, गुरु रघुनाथ यमूल, पूर्व जल शक्ति मंत्री डॉक्टर महेन्द्र सिंह मोजूद रहे।

समाज को कुछ लौटाने से प्राप्त होती है खुशी : राजेश सिंह दयाल

अपने दर्द को साझा करते हुए राजेश सिंह दयाल ने अपने पुत्र की मृत्यु के पश्चात् अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित करने की बात कही, उनका मानना था कि ईश्वर हमें सिर्फ परिवार मोह नहीं अपितु समाज मोह के लिए भेजता है और समाज को लौटाने में पुण्य और सुख दोनों प्राप्त होता है । श्री राम युग का मंचन देख राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मंत्रमुग्ध होकर छात्रों की प्रशंसा की एवं राजेश सिंह दयाल द्वारा किए जा रहे समाज कल्याण कार्य की सराहना की। उनका कहना था कि एक कुंवर जाते-जाते आपको हज़ारों कुंवर दे गया जिससे आज आप समाज कल्याण और निर्माण दोनों कर रहें है।

गंगा स्नान करने जा रहे 12 श्रद्धालुओं की मौत

» शाहजहांपुर में भीषण हादसा, ट्रक ने टेंपो में मारी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। हल्के कोहरे के बीच अनियंत्रित दौड़ रहे ट्रक ने अल्हागंज के सुगसुगी गांव के पास टेंपो में टक्कर मार दी। दुर्घटना में टेंपो सवार सभी 12 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई। ये सभी मदनापुर क्षेत्र के दमगढ़ा गांव से गंगा स्नान करने ढाई घाट जा रहे थे।

एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि टेंपो चालक सुरेश गांव के श्रद्धालुओं को लेकर जा रहे थे, जिनमें तीन महिलाएं और एक बालक भी था। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। दोनों वाहन टकराने का पुष्ट कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। दुर्घटनास्थल पर ब्लैक स्पॉट या टूटी सड़क नहीं है। संभव है कि ट्रक तेज गति से दौड़ रहा हो।

अयोध्या में पेश की गयी गंगा-जमुनी तहज़ीब : अबरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर । अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्र म में शामिल होने के लिए जमीयत हिमायतुल इस्लाम के अध्यक्ष कारी अबरार जमाल के पास श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से न्योता आया था, कारी अबरार जमाल प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. सहारनपुर पहुंचे कारी अबरार जमाल ने श्री राम मंदिर ट्रस्ट का शुक्रिया अदा किया।

अयोध्या में हुए भव्य कार्यक्रम को लेकर कारी अबरार जमाल ने कहा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिशाल पेश की गई। कारी अबरार जमाल ने कहा कि मैं राम मंदिर ट्रस्ट के तमाम लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं,उन लोगों ने हमें निमंत्रण भेजा और वहां पर बुलाकर हमारा सम्मान किया। साथ ही बहुत चीज जैसे किताबें ,अंगूठी ,प्रसाद हमे दिया।

नौजवानों पर है भारत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी : मोदी

» राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रधानमंत्री ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

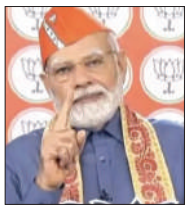

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने संवाद से पहले देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई दी और कहा कि आज का दिन भारत के जीवंत लोकतंत्र का जश्न मनाने का मौका है। प्रधानमंत्री ने माइक्रो ब्लॉगिंग मंच एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बधाई। एक ऐसा अवसर जो हमारे जीवंत लोकतंत्र का जश्न मनाता है। यह उन लोगों को भी मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रोत्साहित करने का दिन जो अभी तक मतदाता नहीं बने हैं।

पीएम मोदी ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, यह नवमतदाता को नमन करने का कायक्रम है। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है, आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, आप सभी को एक जिम्मेदारी साथ-साथ निभानी है। मैं जनता हूं आपकी उम्र में किसी भी नई शुरुआत के लिए एक्साइटमेंट होती है। वोटर लिस्ट में नाम रजिस्टर होते ही लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। कल देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। आप सबकी जिम्मेदारी सबसे बड़ी होगी। जिस तरह 1947 से पहले भारत के नौजवानों पर देश को स्वंत्र करने का दारोमदार था वैसे ही आप पर विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी है।

भगवान राम ने कभी भेदभाव नहीं किया : केजरीवाल

» सीएम ने कहा-दिल्ली में रामराज से प्रेरित होकर चला रहा हूं शासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के संबोधन में सीएम केजरीवाल ने कहा कि रामायण की तरह राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में शिक्षा व्यस्था को बदला। दिल्ली में राम राज्य से प्रेरित होकर शासन किया। राम राज्य का मतलब सुख-शांति वाला शासन होता है। सीएम केजरीवाल ने आगे कहा कि हम बुजुर्गों को अयोध्या भेजेंगे।

गणतंत्र दिवस के संबोधन में सीएम केजरीवाल ने कहा कि रामायण की तरह राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि उनकी सरकार रामायण में दी गई राम राज्य की परिभाषा के अनुसार शहर पर शासन करने की कोशिश कर रही है। उन सिद्धांतों को आत्मसात करना महत्वपूर्ण है जिनका भगवान राम ने अनुकरण किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की कोशिश से कि कोई भी भूखा न सोए। सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा मिले। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि शहर में इन मामलों में चीजें आदर्श हैं, लेकिन वे उस उद्देश्य की ओर बढ़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हाल ही में उद्घाटन किए गए राम मंदिर के लिए तीर्थयात्रा पर भेजेगी। हमने अब तक 83,000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थ यात्राओं पर भेजा है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से अयोध्या में तीर्थयात्रा आयोजित करने के लिए कई अनुरोध आए हैं। हम जल्द ही ऐसा करेंगे और जितना संभव हो उतने लोगों को वहां ले जाएंगे।

प्राण प्रतिष्ठा गर्व की बात

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर गर्व व्यक्त करते हुए भगवान श्री राम के जीवन से त्याग और समानता की शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्र के लिए खुशी के अवसर पर प्रकाश डाला और समाज में मौजूदा जाति विभाजन की ओर इशारा करते हुए लोगों से न केवल भगवान श्री राम की पूजा करने बल्कि उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, अभी कुछ दिनों पहले 22 जनवरी को भगवान राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। ये पूरे देश और विश्व के लिए बहुत खुशी और बधाई की बात थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।